अब तक तो पांचवी में हो जाती !

नसीमन बानो से अलीमुद्दीन व परवीन की बातचीत

जयपुर के फागी विकास खंड में कार्यरत संस्था विशाखा इन्स्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेट स्टडीज ससेक्स (यू.के.) के साथ मिलकर शिक्षा में जाति और लैंगिक भेदभाव और उसके प्रभावों पर अध्ययन कर रही है। डी. एफ. ई.डी. द्वारा वित्त पोषित इस अध्ययन में राजस्थान के टोंक व गंगानगर जिलों की कुछ दलित बहुल आबादियों को अध्ययन के लिए चुना गया है । शोध टीम द्वारा स्कूल छोड़ चुकी एक 11 वर्षीय बालिका से की गई इस बातचीत द्वारा बच्चों के बीच में स्कूल छोड़ने के कुछ कारणों का पता चलता है । संदर्भित स्कूल टोंक की दलित–मुस्लिम आबादी से घिरा एक सरकारी स्कूल है । इस बातचीत में बालिका की पढ़ने की हसरत और नहीं पढ़ पाने की बेवसी की मार्मिक अभिव्यक्ति है ।

- *आप अपना दिन कैसे व्यतीत करती हैं ?*

— सुबह छ: बजे उठ जाती हूँ । कभी-कभी लेट भी उठती हूं । चाय पीती हूं । कभी-कभी मैं चाय बना भी लेती हूं। पानी भर लाती हूं, झाड़ू लगाती हूं, घर का कचरा उठाती हूं । कभी-कभी बाजार से छोटा मोटा सामान भी ले आती हूं । बड़ी-चीजें तो अब्बा ही लाते हैं । कभी-कभी खाना बना लेती हूं । सब्जी ठीक से बनाना नहीं आता है । पैसे मिलने वाला काम तो नहीं करती हूं । बड़े भाई के बच्चों को रखती हूं उन्हीं के साथ खेल भी लेती हूं। घर से बाहर अब्बा जाने नहीं देते हैं ।

- *आपके भाई बन्धु अथवा मित्र जो स्कूल जाते हैं, अपना दिन कैसे बिताते हैं ?*

— एक भाई जो छोटा है स्कूल जाता है । वह तो कोई काम नहीं करता है। अभी तो बहुत छोटा है । सुबह अम्मी उसे तैयार कर देती है । स्कूल से आने के बाद भी वह खेलता रहता है । मेरी दो तीन सहेली स्कूल जाती हैं । वे मेरे बराबर काम तो नहीं करती हैं । पर छुट्टी के बाद वे भी घर के काम करती हैं । बदरूनिसा, शब्बो ये दोनों सरकारी स्कूल में पढ़ने जाती हैं ।

- *आपने स्कूल में पढ़ना कब शुरू किया और कौनसी कक्षा तक पढ़ाई की ?*

— मैं स्कूल तो गई थी । पहले तो एक प्राइवेट स्कूल में गई थी । इसमें तीसरी तक पढ़ी थी । वहां से हमने घर बदल लिया। इस घर में आने के एक साल बाद यहां सरकारी स्कूल में जाने लग गई । यहां तीसरी तक पढ़ी हूं । इसमें मुझे पहली क्लास में ही भर्ती किया था । मैं पढ़ना भूल गई थी इसलिये ।

- *क्या आप ऐसे बहुत से बच्चों को जानती हैं जिन्होंने भी स्कूल जाना छोड़ दिया है ? उन्होंने किन कारणों से स्कूल जाना छोड़ दिया होगा ?*

— दो को जानती हूं गोपाल और परवीन । पर ये तो पता नहीं उन्होंने स्कूल क्यों छोड़ दिया, घरवालों ने छुड़ा लिया होगा या खुद की मर्जी से छोड़ा होगा । परवीन को तो उसके घर वालों ने ही छुड़ाया ।

- *क्या आपको ऐसा लगता है कि लड़कों की अपेक्षा लड़कियां ज्यादा संख्या में स्कूल की पढ़ाई अधूरी छोड़ देती हैं या स्कूल जाती ही नहीं ? ऐसा क्यों होता है ?*

— लड़कियां तो कम ही पढ़ती हैं । घर वाले कम ही पढ़ाते हैं । पढ़ती हैं तो जल्दी से छोड़ देती हैं । उनके घर वाले छुड़ा लेते हैं घर के कामों के लिए, बड़ी भी हो जाती है । लड़के उनको स्कूल में छेड़ते हैं, मास्टर पीटते हैं, इसलिए भी छोड़ती होंगी । कुछ तो पैसे की तंगी से भी छोड़ती हैं ।

- *स्कूल में भर्ती होने से पूर्व आपके मन में स्कूल की छवि क्या थी ?*

— मैं तो पहले कुछ भी नहीं सोचती थी । छोटी सी तो स्कूल जाने लग गई । दूसरे स्कूल में गई उससे पहले तो स्कूल के बारे में अच्छा ही सोचती थी । मास्टर अच्छे होंगे । अच्छे पढ़ाते होंगे ।

- *क्या आपके भाई-बहन, दोस्त स्कूल जाते हैं ? वे आपको अपने स्कूल के बारे में क्या बताते हैं ?*

— एक छोटा भाई स्कूल जाता है तो वो तो स्कूल की कोई बात नहीं करता। पूछते हैं तो रोने लग जाता है । सहेलियां भी स्कूल की कोई बात नहीं करती हैं । मैं घर से बाहर उनके घर कम जाती हूं । घर वाले जाने ही नहीं देते हैं । लड़ते हैं । वे ईद पर या और कभी मिलती हैं पर स्कूल की बात नहीं करती है ।

- *क्या आप स्कूल जाना उपयोगी समझती हैं ? अच्छा समझती हैं ? क्यों ?*

— हां स्कूल जाने से तमीज आ जाती है । पढ़ना-लिखना सीख जाते हैं । खत पढ़ सकते हैं । घर की साफ-सफाई, सही बोलना सीख जाते हैं । (थोड़ा रुककर ....) पढ़ाई से तो सभी काम अच्छे होते हैं ।

- *आपने स्कूल की पढ़ाई बीच में ही क्यों छोड़ दी ? या स्कूल जाना बंद क्यों कर दिया ?*

— मैडम ने मेरी जोर से पिटाई कर दी थी । हाथ और सिर में डण्डे की मारी थी । हाथ में खून निकल आये थे यहां (हाथ बताते हुए जहां अभी भी निशान था) । सिर भी सूज गया था । एक लड़के ने चॉक चुरा ली थी, उसने मुझे दे दी थी। इसी बात पर पिटाई की थी । मैंने मैडम से बोला कि मैंने नहीं चुराई पर उसने नहीं सुना । मैं तो तभी घर आ गई फिर अम्मी मैडम से लड़ने स्कूल गई थी । उसके बाद मैं स्कूल गई ही नहीं । वहां तो जाने की इच्छा ही नहीं हुई । मैडम मुझे अक्सर पीटती थी ।

- *आपके घर पर यह निर्णय कैसे लिया गया कि आप स्कूल नहीं जायेंगी या स्कूल छोड़ देंगी ?*

— मेरी पिटाई करने पर अम्मी स्कूल गई थी । वे मैडम से लड़कर आई थीं । ये कह आई कि अब हम लड़की को पढ़ने नहीं भेजेंगे । मैडम ने कहा ठीक है मत भेजो । फिर सर घर पर कहने आये कि लड़की को पढ़ने भेज दो । मैं ध्यान रखूंगा । मैडम को मैने खूब डांटा है । पर अब्बा ने उनसे कह दिया कि अब हम पढ़ने नहीं भेजेंगे । मेरी भी वहां जाने की इच्छा नहीं हुई । उस स्कूल में सभी घरवालों ने पढ़ाने की मनाही कर दी ।

- *आपके विचार से स्कूल में ऐसे कौन से बदलाव लाये जाने चाहिये, जिससे आप जैसे स्कूल-छोड़ने वाले बच्चे स्कूल में फिर से पढ़ना शुरू कर सकें ?*

— पिटाई नहीं होनी चाहिये । मास्टर प्यार से पढ़ायें, खूब ध्यान से पढ़ायें । स्कूल से किताब, कापी, बस्ता, पैन, ड्रेस मिलनी चाहिये । (और आगे पूछने पर बताया कि) फीस भी नहीं लगनी चाहिए । गेहूं तो चाहे मत मिलो तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लड़कियों को अलग पढ़ाना चाहिये । मैडम या सर, कोई भी पढ़ा सकता है । सिलाई का काम सिखायें तो अच्छा रहे।

- *आपके विचार से घर में भी ऐसी कौनसी बातें हैं जिससे आप जैसे बच्चों को सहयोग मिले और उन्हें स्कूल भेजा जा सके ?*

— घर पर ज्यादा काम नहीं करवायें । वैसे छुट्टी के बाद काम कर लेना चाहिये । घर का काम भी जरूरी है । घर वाले पढ़ाई का सारा सामान लाकर दे दें । पढ़ने को समय मिलना चाहिए । मां-बाप को समझदार होना चाहिए ।

- *आपके विचार से किन परिवारों के बच्चे अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रख पाते हैं । बच्चों को स्कूल में पढ़ाई जारी रखवाने के लिए घर पर किस तरह का माहौल मिलना चाहिये ?*

— पढ़े लिखे पैसे वालों के बच्चे तो अच्छे ही पढ़ते हैं। उनको घर पर सभी चीजें मिल जाती है। उनके घर वाले भी समझदार होते हैं । मुसलमानों के बच्चे पढ़ते तो हैं पर स्कूल छोड़ते भी खूब हैं । घर वालों को बच्चों की पढ़ाई की चिन्ता रखनी चाहिए । उनको पढ़ाई की सभी चीजें लाकर देनी चाहिए, तब तो सब पढ़ेंगे ।

- *आपके विचार से क्या आपके गांव में कुछ ऐसी विशेष जातियां हैं जिनके बच्चे भारी संख्या में स्कूल नहीं जाते ? ऐसा क्यों होता है ?*

— यहां मुसलमानों के बच्चे तो खूब पढ़ते हैं । भंगी और मोचियों के बच्चे कम पढ़ते हैं । इनके घर वाले पढ़ाई की चिन्ता कम करते हैं । भंगियों के बच्चों को तो स्कूल में बच्चे भंगी-भंगी कहते हैं, उनको दूर बिठाते हैं इससे भी ये स्कूल छोड़ देते हैं। इनके लड़के तो घूमते-फिरते ज्यादा रहते हैं । इनको पढ़ाई की कोई चिन्ता भी नहीं रहती है ।

- *क्या आपको लगता है कि स्कूल जा पाने पर आप ऐसा कुछ सीखते हैं जो अभी नहीं सीख पा रहे हैं ?*

— अब तक स्कूल जाती तो अच्छे से पढ़ना-लिखना सीख जाती । बोलती भी अच्छी तरह से । (ये कहने पर कि अच्छा तो बोल रही हो, कहने लगी) और अच्छा बोलने लग जाती। उठने-बैठने के अच्छे लक्षण आ जाते । हिसाब करना, खत पढ़ना सीख जाती । अब तक तो पांचवी में हो जाती । अभी तो घर का काम सीख रही हूं । स्कूल जाती रहती तो भी ये काम तो सीख ही लेती । और तो कोई काम नहीं सीखा ।

- *आपके ख्याल से आपके आसपास रहने वाले इस गांव में (क्षेत्र में) ऐसे लोग हैं जो स्कूल में पढ़ाई करने की वजह से आपसे बेहतर काम कर रहे हैं ?*

— यहां मैं ऐसे किसी को नहीं जानती । (आगे संकेत देने पर उसने बताया) मेरे दो चाचा आठवीं पढ़े हैं, वे दुकान करते हैं । ज्यादा पढ़े-लिखों को, मैं तो किसी को नहीं जानती हूं । पर ज्यादा पढ़ने वालों की तो नौकरी लग जाती है । उनके पास तो पैसा हो जाता है । अच्छा काम भी कर लेते हैं ।

- *क्या आपको लगता है कि आपकी जाति के बच्चे जिन्होंने पढ़ाई की, उन्हें आगे अपने कामों में, नये कामों में आगे बढ़ने में मदद मिली ? किस तरह की मदद मिली है ? उसका असर कैसा नजर आता है ?*

— हमारी जाति के ज्यादा पढ़े लिखों को मैं नहीं जानती । (अपनी मां द्वारा एक औरत का नाम लेने पर बताया) यहां एक औरत पढ़ी लिखी है वह सिलाई का काम कर लेती है । पर अपनी सास से खूब लड़ती है । मुसलमानों के बच्चे आगे तक कम ही पढ़ते हैं । लड़के तो काम पर लग जाते हैं, लड़कियों को घर वाले छुड़ा लेते हैं । मेरे चाचा पढ़कर दुकान करने लग गये हैं । नहीं पढ़ते तो दुकान नहीं कर पाते ।

- *आने वाले दस पन्द्रह वर्ष बाद आप को क्या लगता है कि आप क्या कर रहे होंगे ?*

— इतने सालों बाद क्या होगा और पता नहीं । (काफी संकेत देने पर उसने बताया) सभी बच्चे पढ़ने लग जायेंगे । स्कूल भी खूब खुल जावेंगे । लोगों के घर पक्के हो जायेंगे ।

- *वह क्या बात है जो आप अभी नहीं जानते हैं जिसे आपके ख्याल से स्कूल में सीखा जा सकता है ?*

— पढ़ाई लिखाई सीखी जा सकती है । काम सिखायें तो काम सीखा जा सकता है । अच्छे से बोलना सीखा जाता है। अभी तो मैं घर का ही काम करती हूं, ये तो पढ़ने वाले भी करते हैं । मैं थोड़ा ज्यादा कर सकती हूं ।

- *क्या आपको यह आभास होता है कि स्कूल जाने वाले व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में उन लोगों से बेहतर काम कर रहे हैं जो स्कूल नहीं गये हैं ।*

— पढ़े-लिखे तो अच्छा काम करते ही हैं । मेरे चाचाओं ने अच्छी दुकानें खोल रखी हैं । अब्बा तो पढ़े लिखे नहीं हैं, ये आरा मशीन पर ही काम करते हैं । पढ़े-लिखे होते तो ये भी दुकान खोल लेते । पढ़े लिखे तो अनपढ़ों से अधिक खुश होते ही हैं ।

- *क्या आपको ऐसा लगता है कि स्कूल जाने से उन्हें अपने कामों में मदद मिली है ?*

— हमारी जाति में ज्यादा पढ़े लिखे लोगों को मैं तो नहीं जानती हूं । हां जो पढ़ गये हैं उनके तो अच्छे काम होंगे । पढ़ने से नौकरी मिल जाती है, ज्यादा समझ आ जाती है । कहीं भी जा सकते है, कोई भी काम कर सकते हैं । हमारी जाति में तो ज्यादा लोग मजदूरी या दुकानदारी करते हैं । जो पढ़ जाते हैं वे दुकानदारी करने लग जाते हैं । ◆